हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

# जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 17 अंक : 01 | देहरादून गुरूवार 26 मार्च 2026 | मूल्य :रू 2 | पृष्ठ : 8

## सीएम धामी ने किया उत्तरांचल प्रेस क्लब द्वारा आयोजित मंजुल सिंह मांजिला स्मृति अंतर क्रिकेट टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्रीपुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, देहरादून में उत्तरांचल प्रेस क्लब द्वारा आयोजित मंजुल सिंह मांजिला स्मृति अंतर क्रिकेट टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वयं क्रिकेट खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल भावना को बढ़ावा दिया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। खेलों के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता तथा संघर्षशीलता जैसे गुणों का विकास होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेल सुविधाओं के विस्तार और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में "खेलो इंडिया" और "फिट इंडिया मूवमेंट" जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से

देश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने की मजबूत नींव रखी गई है। इन पहलों से युवाओं को खेलों से जुड़ने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा मिल रही है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, विधायक उमेश शर्मा काऊ, निदेशक खेल डॉ. आशीष चौहान, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, उत्तरांचल प्रेस क्लब के अध्यक्ष अजय सिंह राणा सहित क्लब के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

### टैक्सी-मैक्सी संचालकों ने टैक्स के साथ किराया बढ़ाने की मांग की

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड टैक्सी-मैक्सी महासंघ ने बुधवार को परिवहन सचिव के साथ बैठक कर अपनी ज्वलंत समस्याओं को लेकर नौ सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। महासंघ के अध्यक्ष सुंदर सिंह पंवार और महासचिव अनमोल अग्रवाल के नेतृत्व में टैक्सी व्यवसायियों ने सरकार के समक्ष अपनी समस्याएं बताईं। महासंघ का मुख्य मुद्दा प्रतिवर्ष बढ़ते रोड टैक्स के अनुपात में किराया न बढ़ाया जाना है। उन्होंने मांग की कि या तो टैक्स वृद्धि रोकी जाए या किराया बढ़ाया जाए। साथ ही चालान भुगतने के बावजूद परमिट रिन्यूअल के समय प्रति चालान ₹500 अतिरिक्त वसूली और अधिकार पत्र देरी पर 1000 की लेट फीस को गलत बताया। व्यवसायियों ने पहाड़ी जिलों से जारी लाइसेंस पर शहिल एंडोर्समेंटस की अनिवार्यता खत्म करने और अस्तित्वविहीन वाहनों के टैक्स में पूर्ण छूट की मांग की है।

## पुलिस से झड़प के बाद कांग्रेसियों की हुई गिरफ्तारी

ऋषिकेश (संवाददाता)। रानीपोखरी के लिस्ट्राबाद में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू) की स्थापना को लेकर पिछले 38 दिनों से चल रहा आंदोलन बुधवार को अचानक उग्र हो गया। जमीन की नाप-जोख के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आंदोलनरत ग्रामीणों के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस पर पुलिस कांग्रेसियों को पकड़कर रायवाला ले गई। बाद में हिरासत में लिए गए कांग्रेसियों को छोड़ दिया। लिस्ट्राबाद में प्रस्तावित लॉ विवि की भूमि को लेकर लंबे समय से ग्रामीण धरना दे रहे हैं। बुधवार को धरना स्थल पर पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों का समर्थन करते हुए विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया। इसी दौरान मौके पर पहुंचे विधायक बृजभूषण गैरोला और कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ऋषिकेश योगेश मेहरा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को वहां से हटाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेसियों के बीच झड़प भी हुई। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल, आंदोलनकारी राजेश्वरी देवी, अश्वनी बहुगुणा समेत कई लोगों को हिरासत में लेकर रायवाला थाना पहुंचाया। हालांकि, कुछ घंटे बाद सभी को रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रायवाला थाने के बाहर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने आरोप लगाया कि सरकार जनता विरोधी नीतियों को बढ़ावा दे रही है और चयनित भूमि पर ही कॉलेज बनाया जाना चाहिए। ब्लॉक अध्यक्ष गौरव चौधरी ने कहा कि रानीपोखरी क्षेत्र की इस भूमि पर लॉ कॉलेज की मांग को लेकर ग्रामीण शांतिपूर्ण धरना दे रहे थे, लेकिन पुलिस ने कथित तौर पर दबाव में आकर उन्हें हटाने का प्रयास किया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। मौके पर कांग्रेस नेता सागर मनवाल, ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, ग्राम प्रधान अनूप सिंह, नितिन चौहान, धीरज मणि तिवारी और शार्दुल नेगी सहित कई लोग मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार...

### नर्सिंग भर्ती परीक्षा से कराने के फैसले का स्वागत

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड प्रोफेशनल नर्सिंग एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल से मुलाकात की। एसोसिएशन ने नर्सिंग पदों पर भर्ती परीक्षा के माध्यम से कराने के सरकार के फैसले की सराहना की और आभार व्यक्त किया। पदाधिकारियों ने कहा कि परीक्षा के जरिए भर्ती होने से फर्जी और बिना कक्षाएं (नॉन-अटेंडिंग) लिए डिग्री-डिप्लोमा हासिल करने वालों पर लगाम लगेगी। इससे राज्य के अस्पतालों को योग्य और काबिल नर्सिंग ऑफिसर मिल सकेंगे, जिससे मरीजों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष सेवनी, आदित्य और शुभम उपस्थित रहे।

### शाटपुट में आदिश ने जीता सिल्वर

देहरादून (संवाददाता)।भारत की पहली नेशनल इंडोर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में देहरादून के आदिश घिल्डियाल ने 7.26 किलोग्राम का गोला 16.92 मीटर की दूरी तक फेंक कर शाटपुट इवेंट में सिल्वर मेडल पर कब्जा किया। यह प्रतियोगिता 24 व 25 मार्च को कलिंगा स्टेडियम भुवनेश्वर में आयोजित हुई।

### उत्तराखंड ने रग्बी प्रतियोगिता में जीता कांस्य

देहरादून (संवाददाता)। राजस्थान में मंथन फाउंडेशन द्वारा रग्बी प्रतियोगिता में उत्तराखंड की व्हीलचेयर टीम ने दूसरी बार कांस्य जीतकर उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। उत्तराखंड की टीम में कैप्टन नवीन कुमार, कोच दीप्ति रत्नाकर, हर्षप्रीत, बलराम शामिल थे। प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड की टीमों ने हिस्सा लिया।

हिन्दी दैनिक जोखिम

# सम्पादकीय

## हमारी नियति झूठमेव जयते

भारत हर दिन झूठ सुनता है। जैसे ताजा वाक्य हैख्रहम बंगाल जीतेंगे और घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे! सोचें, भाजपा ने पूरा देश बारह वर्षों से जीता हुआ है और इन बारह वर्षों में बारह दर्जन घुसपैठिए भी भारत से नहीं निकाले गए! और तो और बांग्लादेश से सटे असम, त्रिपुरा, मणिपुर से लेकर दिल्ली, बिहार, यूपी आदि सभी को मोदी सरकार ने पिछले बारह वर्षों से जीता हुआ हैं, पर कितने घुसपैठिए भारत से निकाले गए? बावजूद इसके, फिर झूठ के बूते ही भाजपा बंगाल जीतेगी! ऐसे ही बाहर वर्षों से इजराइल हमें सीमा सुरक्षा, आतंकवाद के मामले में ड्रोन आदि हर तरह की मदद करता हुआ है, लेकिन इन्हीं बारह वर्षों में पुलवामा से लेकर पहलगाम के आतंकी हमले हुए, जो न तो सामान्य थे और न जिनका कोई जिम्मेदार एक भी आतंकी पकड़ा गया। बावजूद इसके, नागरिकों में भय और असुरक्षा पैदा कर उनके वोट लेते रहने के लिए आतंक मिटाने का झूठा नैरेटिव स्थायी है।सोचें, पिछले सप्ताह नई वैश्विक क्रांति एआई का दिल्ली में कैसा मेला-तमाशा हुआ? भारत को अमेरिका, चीन जैसा एआई महाबली बताया गया। जबकि इस सप्ताह की हकीकघ्त यह है कि भारत की आईटी कंपनियों के शेयर बुरी तरह गिरे। टीसीएस, इंफोसिस जैसी नामी कंपनियों के शेयरों की कीमत 18 से 25 प्रतिशत लुढ़की। अकेले फरवरी में भारत की आईटी कंपनियों का 47 बिलियन डॉलर वैल्यूएशन खत्म हुआ है।पर मुमकिन है इस सप्ताह से यह नया झूठ शुरू हो कि पहले से ही भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह छल होगा जीडीपी वृद्धि की गणना के आधार वर्ष को बदलकर। इस नए आधार वर्ष के साथ भारत की सांख्यिकी एजेंसी डिजिटल सेवाओं और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों के योगदान को जीडीपी में बढ़ाने वाली है। मतलब जैसे एआई में भारत हवाहवाई है, वैसे ही डिजिटल सेवाओं और सोलर यानी नवीकरणीय ऊर्जा में भी बस ऐवें ही है। जबकि मैन्युफैक्चरिंग या खेती में ठोस उत्पादन या पैदावार के वास्तविक आँकड़े उपस्थित होते हैं। जैसे चीन के आँकड़े उसकी फैक्ट्रियों, खेती, इंफ्रास्ट्रक्चर, रोबोट, महानगरों के साक्ष्य से भी प्रकट हैं। मगर भारत में आगे डिजिटल खांचे से जीडीपी के आँकड़े चाहे जो हो सकते हैं।वह भी तब, जब भारत के आईटी क्षेत्र की नामी कंपनियों को एआई की वजह से लेने के देने पड़ रहे हैं। नोट रखें, दशकों से भारत की आईटी कंपनियाँ कंप्यूटरी भाषा कोबोल आधारित बैंकिंग सिस्टम, पुराने ईआरपी प्लेटफॉर्म, मेनफ्रेम आदि के आधुनिकीकरण से अरबों रुपये कमाती रही हैं। वह सब एआई से सपाट होना है।

# हुमायु कबीर-ओवेसी के गठबंधन से क्या टीएमसी कमजोर साबित होगी

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए समीकरण बनने की आहट अक्सर सियासी बहस को तेज कर देती है। हाल के दिनों में हुमायु कबीर और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के संभावित गठबंधन की चर्चा इसी संदर्भ में देखी जा रही है। सवाल यह है कि क्या इससे तृणमूल कांग्रेस कमजोर होगी? जबकि ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) की पकड़ बहुत मजबूत है। गांव-गांव ममता की की छवि प्रभावशील नेता के रूप में विख्यात है। ममता दीदी के नाम से सब जगह उन्हें प्यार दुलार के रूप में देखा जाता है। ममता को कम आंकना बेइमानी होगी। वहीं भाजपा को अन्य राज्यों में हुए चुनाव में समीकरण देखने से पता चता है कि आवेसी की पार्टी ने कुछ हद तक प्रभाव डाला है। अब ऐसे में ममता की तीसरी पारी कैसी होगी यह समय के गर्त में है।पश्चिम बंगाल का चुनाव ऐसे समय हो रहा है जहां विश्व में कई देश में युद्ध की आग में झुके हुए हैं। जिससे पूरे विश्व में चीजें अवरुद्ध हो रही है। ऐसे ही युद्ध चलता रहा तो निश्चित ही महंगाई भी चरम सीमा पर होगी। अगर देखा जाये तो वोट बैंक की राजनीति और प्रभावित होगी। पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट बैंक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो अब तक बड़े पैमाने पर टीएमसी के साथ रहा है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की रणनीति आमतौर पर इसी वोट बैंक में सेंध लगाने की रही है, जैसा कि उसने बिहार और अन्य राज्यों में करने की कोशिश की। यदि हुमायु कबीर जैसे स्थानीय प्रभाव वाले नेता ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के साथ आते हैं, तो कुछ इलाकों में वोटों का बंटवारा संभव है।हालांकि, यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि इससे टीएमसी को बड़ा नुकसान होगा। इसके पीछे कुछ कारण हैं संगठनात्मक मजबूती ममता बनर्जी के नेतृत्व में जमीनी नेटवर्क काफी मजबूत है। स्थानीय बनाम बाहरी छवि बंगाल की राजनीति में बाहरी बनाम स्थानीय का मुद्दा अहम रहता है, और ओवेसी की पार्टी को अक्सर बाहरी पार्टी के रूप में देखा जाता है।वोट ट्रांसफर की चुनौती: गठबंधन बनने के बावजूद वोटों का पूरी तरह ट्रांसफर होना आसान नहीं होता। किन क्षेत्रों में असर संभव? सीमावर्ती जिलों और मुस्लिम बहुल सीटोंख्रजैसे मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुरख्रमें इसका कुछ असर दिख सकता है। लेकिन यह असर अधिकतर ज्रजरूष्ट को हराने की बजाय विपक्षी वोटों के और बिखराव के रूप में सामने आ सकता है। दिलचस्प बात यह है कि इस तरह के गठबंधन का अप्रत्यक्ष फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिल सकता है। यदि विपक्षी वोट बंटते हैं, तो त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा को बढ़त मिल सकती है।हुमायु कबीर गठबंधन के लिए स्थानीय स्तर पर चुनौती जरूर खड़ी कर सकता है, लेकिन इसे टीएमसी की व्यापक कमजोरी के रूप में देखना अभी उचित नहीं होगा। यह ज्यादा संभावना है कि इससे विपक्षी खेमे में वोटों का विभाजन बढ़े, जिसका लाभ किसी तीसरे पक्ष को मिल सकता है। कुल मिलाकर, यह गठबंधन बंगाल की राजनीति में हलचल तो पैदा करेगा, लेकिन टीएमसी की जड़ों को हिलाने के लिए अभी और मजबूत, व्यापक और संगठित चुनौती की जरूरत है।ममता का संघर्ष, सादगी और सियासत की मिसालभारतीय राजनीति में ममता का नाम एक ऐसे नेता के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने जमीनी संघर्ष से सत्ता के शिखर तक का सफर तय किया। उनका राजनीतिक जीवन केवल पद और सत्ता की कहानी नहीं, बल्कि जिद, जनसंपर्क और निरंतर संघर्ष की दास्तान है। ममता बनर्जी का जन्म 5 जनवरी 1955 को हुआ। साधारण परिवार से आने वाली ममता ने कम उम्र में ही राजनीति में दिलचस्पी दिखानी शुरू कर दी थी। उन्होंने छात्र जीवन से ही सक्रिय राजनीति में भाग लिया और जल्द ही इंडियन नेशनल कांग्रेस से जुड़ गईं। 1970-80 के दशक में उन्होंने कांग्रेस के युवा चेहरों में अपनी पहचान बनाई। 1984 में उन्होंने पहली बार लोकसभा चुनाव जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। तृणमूल कांग्रेस की स्थापना ऐसे समय में हुई जब समय के साथ कांग्रेस में मतभेद बढने लगे। 1998 में ममता बनर्जी ने अलग होकर टीएमसी की स्थापना की। यह कदम उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। टीएमसी ने धीरे-धीरे पश्चिम बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत की और वाम मोर्चे के लंबे शासन को चुनौती दी। 34 वर्षों से सत्ता में रही सरकार को 2011 में ममता बनर्जी ने सत्ता से बेदखल कर दिया। यह पश्चिम बंगाल की राजनीति में ऐतिहासिक परिवर्तन था। ममता बनर्जी राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं और उन्होंने खुद को दीदी के रूप में जनता के बीच स्थापित किया। ममता बनर्जी की राजनीति की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सादगी और जनसंवाद है। वे अक्सर सीधे जनता के बीच जाती हैं और खुद को एक आम नागरिक के रूप में प्रस्तुत करती हैं।उनकी सरकार ने कई सामाजिक योजनाएं शुरू कीं, जैसेख्र कन्याश्री योजना (महिला सशक्तिकरण), सबुज साथी (छात्रों के लिए साइकिल), स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में सुधार, विवाद और चुनौतियां आदि।हर बड़े नेता की तरह ममता बनर्जी का सफर भी विवादों से अछूता नहीं रहा। विपक्ष अक्सर उन पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाता है। केंद्र और राज्य के बीच टकराव भी उनकी राजनीति का हिस्सा रहा है।

# गैस संकट के अभी शुरुआती दिन

पश्चिम एशिया में युद्ध लंबा खिंचा (जिसकी पूरी संभावना है) और होरमुज जलडमरुमध्य का मार्ग बंद रहा, तो आने वाले दिनों में नोटबंदी या कोरोना काल जैसे परिमाण के संकट का सामना देश को करना पड़ सकता है।

रसोई गैस के लिए हाहाकार मच गया है। जगह-जगह से सिलिंडर भरवाने के लिए गैस एजेंसियों के सामने लंबी कतारों की खबरें मिल रही हैं। ये हाल तब है, जबकि सरकार ने एलपीजी की 80-85 फीसदी सप्लाई औद्योगिक क्षेत्र से घरेलू उपयोग के लिए भेजने का निर्णय लिया है। कॉमर्शियल उपयोग के लिए गैस की सप्लाई काफी हद तक बाधित हो चुकी है। गौरतलब है कि अभी संकट के शुरुआती दिन हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध लंबा खिंचा (जिसकी पूरी संभावना है) और होरमुज जलडमरुमध्य का मार्ग बंद रहा, तो आने वाले दिनों में नोटबंदी या कोरोना काल जैसे परिमाण के संकट का सामना देश को करना पड़ सकता है। अब यह सामने आया है कि चूंकि गैस का भंडारण मंहगा पड़ता है, इसलिए भारत ने खुद को लगातार सप्लाई पर ही निर्भर बनाए रखा। अब चूंकि मुश्किल आ खड़ी हुई है, तो सरकार आपातकालीन निर्णय लेने को मजूबर है। उसने ऐसे लिए हैं, जिनसे घरेल उपभोक्ताओं को अधिकतम राहत मिल सके। यह सही, मगर समस्याग्रस्त प्राथमिकता है। आखिर श्रमिक वर्ग के लोग फैक्टरियों या कार्यस्थलों पर कैंटीन या ढाबों में भोजन करते हैं।

लाइन होटल ट्रक एवं बस ड्राइवरों और अन्य लंबी दूरी के यात्रियों के खाना खाने की जगहें हैं। फिर अनगिनत लोग रोज कामकाज के सिलसिले में यात्राओं पर जाते हैं, जो रेस्तरां या होटलों में ही भोजन करते हैं। फिलहाल स्थिति यह है कि अनेक शहरों से रेस्तरां और होटलों में मेनू की कटौती हो रही है और कुछ रोज में उनके बंद हो जाने की चेतावनी दी गई है। रेस्तरां और क्लाउड किचन पर लाखों कर्मचारी एवं होम फूड डिलीवरी से जुड़े गिग वर्कर निर्भर हैं। उधर औद्योगिक गैस की कटौती से कल-कारखाने बंद हुए, तो उसका असर लाखों नौकरीशुदा लोगों पर पड़ेगा। उत्पादन, वितरण, एवं उपभोग में गिरावट से अर्थव्यवस्था पर होने वाला दूरगामी असर अलग है। तो कुल मिलाकर देश एक बड़ी मुश्किल में फंसता नजर आ रहा है। इसके मद्देनजर क्या यह कहना काफी होगा कि युद्ध होता है, तो दिक्कत होती है? या एहतियाती कदम ना उठाने के लिए किसी की जवाबदेही तय होगी?

हिन्दी दैनिक जोखिम

# कई दिनों बाद ग्रामीणों का टूटा सबर का बांध, पुलिस ने की गिरफ्तारी

डोईवाला संवाददाता। विधि विश्विद्यालय की मांग को लेकर रानीपोखरी व आसपास के ग्रामीण लंबे 38 दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे थे। ग्रामीणों का आरोप है कि जब पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा विधि विश्विद्यालय बनाने की घोषणा रानीपोखरी में की गई थी और इसका शिलान्यास भी कर दिया गया था उसके बाद इस विधि विश्विद्यालय को कही ओर स्थानांतरित क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा कई करोड़ का बजट इस स्थान पर लगाया ओर अब इसको यह से स्थानांतरित किया जा रहा ये जनता के पैसों की बर्बादी की गई। ग्राम प्रधान सुधीर रतूड़ी ने कहा कि विधि विश्विद्यालय बनने से हमारे क्षेत्र के युवाओं के भविष्य सुधरने की आस थी यह आसपास के ग्रामीणों को रोजगार मिलना था मगर सरकार द्वारा इस संस्थान को स्थानांतरित किया जा रहा है जो हम होने नहीं देंगे।

## तीखी नोंकझोंक के बाद पुलिस ने जनप्रतिनिधियों को किया गिरफ्तार

रानीपोखरी संवाददाता। ग्रामीणों की पुलिस व प्रशासन से होती नोकझोक को संभालने के लिए पुलिस ने जनप्रतिनिधियों को गिरफ्तार किया जिसके बाद सभी को रायवाला कोतवाली लेकर आए। गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही कांग्रेस के ऋषिकेश व डोईवाला के कार्यकर्ता रायवाला कोतवाली पहुंचे और नारेबाजी करने लगे। जिसके बाद पुलिस सभी को छोड़ दिया। रायवाला कोतवाली पहुंचे वाले में जयेंद्र रमोला, अंशुल त्यागी, अलका क्षेत्री, राहुल सैनी, मुकेश प्रसाद, स्वतंत्र बिष्ट, उमेद बोरा, जितेंद्र कुमार, आशिक अली, शोएब अली, राहुल आर्य आदि पहुंचे।

## नपाई के लिए पहुंची टीम, ग्रामीणों ने किया विरोध

रानीपोखरी संवाददाता। जिस जगह विधि विश्विद्यालय का शिलान्यास हुआ था उस स्थान पर नपाई के लिए अधिकारी पहुंचे थे जिसका ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया। उक्त स्थान पर भारी पुलिस बल लगाया गया था। मौके पर क्षेत्रीय विधायक बृज भूषण गैरोला भी पहुंचे और उन्होंने ग्रामीणों को समझाने को बात की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने आरोप लगाया कि क्षेत्रीय विधायक को इतना तक मालूम नहीं कि जिस जगह वो खड़े थे उस भूमि पर ही पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शिलान्यास किया था। क्षेत्रीय विधायक के कहने पर भी प्रशासन द्वारा काम नहीं रोका जा रहा ये दुर्भाग्य है इस उत्तराखंड का कि जनप्रतिनिधियो की बात नहीं सुनी जा रही है ओर अधिकारी बेलगाम है। डोईवाला ब्लॉक प्रमुख गौरव सिंह ने कहा कि भाजपा की अंदरूनी लड़ाई के चक्कर में इस विधि विश्विद्यालय को स्थानांतरित किया जा रहा हम पूर्व मुख्यमंत्री की इज्जत बचाने के लिए भी ये लड़ाई लड़ रहे है।

## संक्षिप्त समाचार...

### दून विश्वविद्यालय में श्गज महोत्सव का आयोजन

देहरादून संवाददाता। दून विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट एंड नेचुरल रिसोर्सेज की ओर से बुधवार को 'गज महोत्सव' का आयोजन किया गया। भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत न्यास और वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया की इस पहल में देश भर के विशेषज्ञों ने मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व पर विचार साझा किए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को केवल ज्ञान देने तक सीमित न रहकर समाज और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक तैयार करने चाहिए। विशिष्ट अतिथि और राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वी. बी. माथुर ने नीतिगत हस्तक्षेप और लैंडस्केप स्तर पर संरक्षण योजना की आवश्यकता पर बल दिया। स्वागत भाषण में प्रो. कुसुम अरुणाचलम ने हाथी और गौर के बीच पारिस्थितिक संबंधों को वन पारितंत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। राजाजी नेशनल पार्क के पूर्व निदेशक डॉ. रसिली ने सामुदायिक भागीदारी और हैबिटेट कनेक्टिविटी को सफलता का आधार बताया। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के डॉ. बिलाल हबीब ने हाथियों के आवागमन की वैज्ञानिक समझ को संघर्ष कम करने के लिए अनिवार्य बताया।

### सीएम हेल्पलाइन की सूचना पर आरके पुरम में बंदर पकड़ने पहुंची टीम

देहरादून संवाददाता। सीएम हेल्पलाइन में मिली शिकायत के बाद बुधवार को नगर निगम की टीम आरके पुरम जोगीवाला क्षेत्र में बंदरों को पकड़ने के लिए मौके पर पहुंची। निगम के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकार डॉ वरुण अग्रवाल ने बताया कि स्थानीय लोगों ने बंदरों के बढ़ते आतंक की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। टीम क्षेत्र में सक्रिय बंदरों को पकड़ने का अभियान चला रही है। जिससे लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। हाल के समय में हरिद्वार व आसपास के इलाकों में बंदरों की समस्या लगातार बढ़ रही है और प्रशासन समय-समय पर अभियान चला रहा है।

### कांग्रेस ने लॉ यूनिवर्सिटी की जमीन खुर्दबुर्द करने का आरोप लगाया

देहरादून संवाददाता। कांग्रेस की प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत ने सरकार पर ऋषिकेश के रानीपोखरी में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के लिए आवंटित भूमि को खुर्द-बुर्द करने का आरोप लगाया। डॉ. रावत ने बुधवार को राजीव भवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेस में कहा कि भाजपा की ही सरकार में त्रिवेन्द्र सिंह रावत के मुख्यमंत्रित्व काल में ऋषिकेश के रानीपोखरी में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के नाम पर भूमि आवंटित की गई थी। इसका शिलान्यास भी कर दिया गया था। सात साल बीतने के बाद भी कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ। उल्टे यूनिवर्सिटी के नाम आवंटित भूमि का टिहरी बांध विस्थापितों के नाम पर खुर्द-बुर्द करने का काम किया जा रहा है।

## चौंबर खुले छोड़ने, पोल घर से सटा होने और पेयजल लीकेज की समस्या उठी

देहरादून संवाददाता। रायपुर ब्लाक मुख्यालय में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में चौंबर खुले छोड़ने, निजी भवन से सटा हुआ विद्युत पोल से समस्या, पेड़ों के असंतुलित होकर लटकने आदि समस्याएं प्रमुख रूप से लोगों ने उठाई। बुधवार को जन-जन की सरकार, चार साल बेमिसाल' कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को रायपुर ब्लाक मुख्यालय में बहुउद्देशीय शिविर आयोजन किया गया। शिविर में रायपुर विधायक उमेश शर्मा (काऊ) की अध्यक्षता में ब्लाक प्रमुख सरोजनी जवाड़ी तथा एसडीएम (सदर) हरिगिर ने जन समस्याएं सुनी। इस दौरान विभिन्न विभागों की योजनाओं के माध्यम से 257 लाभार्थियों की शिकायतों को सुना गया। विधायक उमेश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। सरकार की प्राथमिकता अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। शिविर में लोगों ने 11 समस्याएं प्रस्तुत की गई, जिनका मौके पर ही निस्तारण किया गया। ननूरखेड़ा निवासी आकाश सिंह ने अवगत कराया कि उनके निजी भवन से सटा हुआ विद्युत पोल है जिस कारण वे भवन पर दूसरी मंजिल का निर्माण नहीं करा पा रहे हैं। इस पर संबंधित विद्युत पोल को अन्यत्र स्थानांतरित करने के लिए ऊर्जा निगम को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डिफेंस कॉलोनी, वार्ड-58 में कुछ स्थानों पर पेड़ों के कारण यातायात बाधित होने की शिकायत की गई। विधायक काऊ ने प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) को जांच के निर्देश दिए गए। वहीं, मोहकमपुर के माजरी माफी क्षेत्र में नालियों को भूमिगत किए जाने के दौरान सिंचाई विभाग द्वारा कुछ स्थानों पर चौंबर खुले छोड़ दिए जाने से दुर्घटना की आशंका व्यक्त की गई। इस पर विभाग को शेष कार्य तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निर्माणाधीन सुखाखोली दूसरोजना मोटर मार्ग पर रोड कटिंग के दौरान कुछ स्थानों पर पेड़ों के असंतुलित होकर लटकने की सूचना पर वन विभाग को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया गया। माजरी माफी में पेयजल लाइन में रिसाव की शिकायत पर जल संस्थान को शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश दिए। शिविर में जिप सदस्य वीर सिंह चौहान, रायपुर अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष महेश कुमार, सहायक खंड विकास अधिकारी सुनील उनियाल, सहायक खंड विकास अधिकारी मोहन लाल रतूड़ी आदि मौजूद रहे।---87 लोगों की स्वास्थ्य जांच कीबहुउद्देशीय शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 87 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच कर नि:शुल्क औषधियों का वितरण किया गया।

### शक्ति पूजन कार्यक्रम में 211 कन्याओं का सामूहिक पूजन

देहरादून संवाददाता। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को धोरण वार्ड के चिड़ोंवाली स्थित शिव मंदिर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित शक्ति पूजन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने 211 नौदुर्गा स्वरूपा कन्याओं का विधि-विधान पूर्वक सामूहिक कन्या पूजन किया।कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कन्याओं को चुनरी ओढ़ाई पाव पखारें उनकी आरती उतारी तथा श्रद्धापूर्वक भोजन कराया। साथ ही कन्याओं को दक्षिणा एवं उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

## लोकरंग उत्सव में दिखी शमिनी इंडिया की झलक

देहरादून संवाददाता। सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज में बुधवार को 'लोकरंग उत्सव 2026' का शुभारंभ हो गया है। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला की ओर से आयोजित इस महोत्सव ने देहरादून को लोक संस्कृति के अनूठे संगम में बदल दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार, सहायक निदेशक जरनैल सिंह, विशिष्ट अतिथि आदित्य चौहान, डॉ. राकेश भट्ट और संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि अजेय कुमार ने कहा कि लोकरंग उत्सव प्रधानमंत्री के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करने वाला सशक्त मंच है। संस्थान के चेयरमैन ललित मोहन जोशी ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। उत्सव में उत्तराखंड के पारंपरिक नृत्यों के साथ जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के मयूर नृत्य, पसलभ सिंह पुरिया को 7-6, 4-6, 10-1 से सुपर टाई ब्रेक में हराकर खिताब जीता। 65 प्लस आयु वर्ग के एकल स्पर्धा में मनी मोहन नेहरु ने एचएस बिष्ट को 6-1, 6-2 से पराजित कर फाइनल जीता। 35 प्लस आयु वर्ग के एकल फाइनल में विकल्प पांडेय ने मेनोलिन सेथुनाथ को 6-4, 2-6, 12-10 से पराजित कर ट्राफी जीती। 40 प्लस सिंगल्स के फाइनल में सचिन कुमार ने सौर्य वर्मा को 6-0,

हिन्दी दैनिक जोखिम

# श्रीदेव सुमन विवि में शिक्षकों व कर्मियों की कमी होगी दूर

नई टिहरी (संवाददाता)। श्रीदेव सुमन विवि में स्थायी शिक्षकों की तैनाती के साथ ही अब नए शिक्षा सत्र में शिक्षणेत्तर सवर्ग में भी कर्मचारियों की नियुक्ति होने की उम्मीद जगी है। विवि ने निजी सहायक, लेखाकार, कंप्यूटर ऑपरेटर, कनिष्ठ सहायक के 31 पदों का सृजन किया है। उक्त पदों पर नियुक्ति के लिए शासन स्तर पर कवायद चल रही है। असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के 63 पदों पर नियुक्ति के लिए इन दिनों आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। 10 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि निर्धारित है। बादशाहीथौल में श्रीदेव सुमन विवि 2012 में विधिवत अस्तित्व में आ गया था। ऋषिकेश, गोपेश्वर और चंद्रबदनी विवि के तीन अपने कैंपस कॉलेज है। इसके अलावा 56 राजकीय महाविद्यालय और 150 स्ववित्त पोषित संस्थान विवि से संबद्ध है। इन संस्थानों में लगभग डेढ़ लाख छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं। स्थापना के बाद ही विवि में सबसे अधिक कमी स्थायी कर्मचारियों की बनी हुई है। कुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, उप परीक्षा नियंत्रक, सहायक परीक्षा नियंत्रक और सहायक कुलसचिव के अलावा विवि में कार्यरत लगभग सभी 60 कर्मचारी उपनल और संविदा के आधार पर कार्यरत है। कर्मचारियों के अभाव में विवि समय पर परीक्षा परिणाम घोषित नहीं कर पाता है। रिजल्ट जारी होने पर अंक तालिकाओं में कई तरह की खामियां अंकित हो जाती है। जिस कारण छात्र-छात्राओं को दिक्कतें झेलनी पड़ती है।विवि स्थापना के 14 साल बाद विवि ने अब जाकर इस सत्र में शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की है। नए शिक्षा सत्र आगामी जुलाई माह तक विवि ने शिक्षकों की तैनाती करने का निर्णय लिया है। 10 अप्रैल तक आवेदन पत्र जमा होने के बाद विवि प्रशासन स्क्रूटनी शुरू करेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि विवि मई अंतिम या जून प्रथम सप्ताह में शिक्षकों के पदों पर साक्षात्कार कर चयन की प्रक्रिया पूरी कर लेना।विवि के स्तर पर नए शिक्षा सत्र में शिक्षणेत्तर संवर्ग में भी स्थायी कर्मचारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। सृजित पदों पर नियुक्ति करने के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। नए सत्र में कैंपस कॉलेज में स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति कर ली जाएगी। -दिनेश चंद्रा, कुलसचिव श्रीदेव सुमन विवि बादशाहीथौल

## लोकार्पण के बाद आम जनता के लिए खोला गया श्रीदेव सुमन पार्क

नई टिहरी (संवाददाता)। जिला मुख्यालय नई टिहरी में स्थित नव निर्मित श्रीदेव सुमन पार्क और श्रीदेव सुमन की मूर्ति का विधायक किशोर उपाध्याय, डीएम नितिका खंडेलवाल, नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत व भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत ने पूजा-अर्चना कर विधिवत लोकार्पण किया। पालिकाध्यक्ष ने पार्क को विधिवत पालिका को हैंडओवर न किए जाने पर नाराजगी जताई। करीब 203ध्र 91 लाख की लागत से एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के वित्तीय सहयोग से जिला विकास प्राधिकरण ने पार्क का नवनिर्माण करवाया। विधायक उपाध्याय ने कहा कि श्रीदेव सुमन ने टिहरी और उत्तरकाशी जिले की जनता के अधिकारों के लिए 84 दिनों तक भूख हड़ताल कर अपने प्राणों का बलिदान दिया है। श्रीदेव सुमन, वीर गबर सिंह और माधो सिंह के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। डीएम ने सभी से पार्क की देखरेख के साथ के सफाई व्यवस्था बनाएं रखने की अपील की। पालिका अध्यक्ष रावत ने कहा कि जिला विकास प्राधिकरण ने बिना पालिका प्रशासन को विश्वास में लिए पार्क का लोकार्पण किया है।पार्क को पालिका को विधिवत हैंडओवर नहीं किया गया है, ऐसे में पार्क की देखभाल कौन करेंगा। पार्क नव निर्माण पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं। जब तक पार्क नगर पालिका को विधिवत हैंडओवर नहीं हो जात, तब तक प्राधिकरण को पार्क की देखरेख के लिए एक व्यक्ति को नियुक्त करना चाहिए। इस मौके पर बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के सदस्य दिनेश डोभाल, मस्तराम बडोनी, विनोद बडोनी, अनिल बडोनी, बीडी कुनियाल, रामलाल नौटियाल, प्रकाश डोभाल, अनुसूया प्रसाद नौटियाल, विजय रावत, राधाकृष्ण उनियाल, जयेंद्र पंवार,राजेंद्र मिश्रवाण आदि मौजूद रहे।

### बासर पट्टी के थालाधार में अस्पताल के लिए जमीन की तलाश शुरू

नई टिहरी (संवाददाता)। स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में जूझ रहे बासर पट्टी के लोगों को जल्द ही थालाधार में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सौगात मिलने की उम्मीद जगी है। स्वास्थ्य विभाग ने बासर पट्टी के गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र निर्माण का सर्वे पूरा कर रिपोर्ट शासन को भेज दी है। अस्पताल स्थापना के लिए स्वास्थ्य विभाग ने भूमि की तलाश शुरू कर दी है। भिलंगना ब्लॉक के बासर पट्टी में थालाधार, अमरसर, कफोल, भल्ड, धनसाणी, कंडारस्यूं, सिलोडी बासर, नौलबासर सहित दो दर्जन से अधिक गांव है लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर क्षेत्र में एएनएम सेंटर के अलावा अन्य कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। क्षेत्र के लोगों के बुखार, सिरदर्द, सर्दी-जुखाम की शिकायत होने पर दवाई लेने के लिए 35 किमी की दूरी तय कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलेश्वर आना पड़ता है।

## संसाधनों के अभाव में जूझ रहा है बालगंगा महाविद्यालय

नई टिहरी (संवाददाता)। बालगंगा महाविद्यालय में कक्षा-कक्षों और प्रयोगशालाओं का अभाव छात्र-छात्राओं के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। हर साल बढ़ती छात्रसंख्या के बावजूद संसाधनों का विस्तार नहीं होने से पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वर्तमान में महाविद्यालय में करीब 700 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। कक्षा-कक्ष और प्रयोगशालाओं की संख्या 15 तक ही सीमित रह गई है। महाविद्यालय में सबसे अधिक दिक्कत विज्ञान संकाय के छात्रों को हो रही है। प्रयोगशालाओं के अभाव में छोटे-छोटे कमरों में ही प्रयोगात्मक कार्य कराए जा रहे हैं। जिससे पढ़ाई की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है।

## नगुण पट्टी के विकोल गांव आज भी सड़क से दूर

नई टिहरी (संवाददाता)। थौलधार ब्लॉक में नगुण पट्टी का विकोल गांव पांच किमी सड़क सुविधा से नहीं जुड़ पाया है जिससे ग्रामीणों को सड़क तक पहुंचने के लिए तीन किमी की पैदल दूरी नापनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वह 2017 से स्थानीय विधायक, लोनिवि, मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री तक गुहार लगा चुके हैं लेकिन विकोल के लिए पांच किमी की स्वीकृति नहीं मिल पाई है। परेशान ग्रामीणों ने छह अप्रैल को नगुण-भवान-अलमस मोटर मार्ग पर चक्का जाम करने की चेतावनी दी है। थौलधार के पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख गुलाब सिंह बरवाण ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि 12 सौ की आबादी वाला विकोल गांव सड़क सुविधा से वंचित है। गांव के लोग 2017 से लगातार संबंधित अधिकारियों, विधायक और सीएम से पत्राचार करते आ रहे हैं। लेकिन अभी तक सड़क की स्वीकृति नहीं मिल पाई है। उन्होंने बताया कि गांव में सड़क नहीं होने के कारण ग्रामीणों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कोई बीमार होता है तो उसे कंडी के सहारे पहुंचाना पड़ता है। कोई भारी सामान गांव पहुंचाने के लिए भी मशक्कत करनी पड़ती है। पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख ने बताया कि गांव में तीन प्राथमिक स्कूल, एक उच्च प्राथमिक स्कूल और तीन आंगनबाड़ी केंद्र है। ज्यादा पैदल होने के कारण शिक्षक-कर्मचारी भी गांव जाने को कतराते हैं।

## 69 लोगों की हुई आंखों की जांच

चमोली (संवाददाता)। सेवा इंटरनेशनल संस्था की ओर से वेदूल केयर के सहयोग से कोठुली गांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 69 लोगों ने आंखों की जांच की गई। छह लोगों को ऑपरेशन के लिए रेफर किया गया। वहीं 33 दंत, 20 स्त्री रोग सहित 191 लोगों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। ग्रामीणों को निशुल्क दवा भी वितरित की गई। इस मौक पर डॉ. विपुल, डॉ. दिव्या, डॉ. दीपक, डॉ. विपिन, सेवा इंटरनेशनल के जिला प्रबंधक प्रदीप नेगी, समन्वयक राहुल रावत, क्षेत्रीय समन्वयक संजय बुटोला, फार्मासिस्ट आयुष रावत, पैथोलॉजिस्ट रिंकी पंवार आदि मौजूद रहे।

## उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राएं सम्मानित

चमोली (संवाददाता)। सरकार के चार साल पूरे होने पर पीजी कॉलेज गोपेश्वर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सांस्कृतिक टीम व स्कूली छात्र-छात्राओं ने लोकगीत व नृत्यों की प्रस्तुति दी। इस दौरान खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया। पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा जिला सह प्रभारी रुद्रप्रयाग रघुवीर सिंह बिष्ट ने किया। उन्होंने कहा कि सरकार रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, पर्यटन के क्षेत्र में व्यापक कार्य कर रही है। इस दौरान टेबल टेनिस में काव्या सती व शिवांश नेगी को प्रथम, जिया बिष्ट, शिवांस चमोली को द्वितीय और आदिति व अथर्व तिवारी को तृतीय स्थान का पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा अन्य खेलों व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया।

## लिस कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

चमोली (संवाददाता)। थाना पोखरी में तैनात पुलिस कर्मियों व होमगार्ड जवानों को थानाध्यक्ष देवेंद्र पंत ने अपराध व एनडीपीएस माल डिटेक्शन किट का प्रशिक्षण दिया। थानाध्यक्ष देवेंद्र पंत हाल ही में प्रशिक्षण केंद्र भोपाल और गाजियाबाद से अपराध संबंधी ऑल पर्पज क्राइम सीन इंवेस्टिगेशन किट और एनडीपीएस मॉल डिटेक्शन किट का प्रशिक्षण लेकर लौटे हैं। उन्होंने कर्मियों को घटनास्थल की घेराबंदी कर साक्ष्यों को सुरक्षित करना और फिंगर प्रिंट, फुट प्रिंट, रक्त नमूने आदि एकत्रित करने की जानकारी दी। पुलिस व होमगार्ड के जवानों ने किट का उपयोग कर अभ्यास भी किया।

## बाजारों और वार्डों में नालियों का निर्माण शुरू

चमोली (संवाददाता)। नगर पालिका ने ड्रेनेज सिस्टम को सुधारने की कवायद शुरू कर दी है। पालिका ने बाजारों और वार्डों में नालियों का निर्माण और उसका सुधारीकरण का काम शुरू कर दिया है। शुरुआत में मेला मैदान से जीआईसी तक करीब 300 मीटर नाली का निर्माण किया जा रहा है। इस नाली निर्माण से मेला मैदान से पानी की निकासी हो सकेगी।मुख्य बाजार में बरसात के दौरान मेला मैदान और बदरीनाथ हाइवे का पानी इकट्ठा होता है। व्यापार संघ अध्यक्ष राकेश लिंगवाल ने बताया कि बरसात में दुकानों में पानी घुसने से व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ता है। नाली निर्माण होने से व्यापारियों को राहत मिलेगी। वहीं पालिका अध्यक्ष संदीप नेगी ने बताया कि पालिका के पास सीमित बजट होता है।

### छोटे भाई पर हमला करने के दोषी को एक साल की सजा

चमोली (संवाददाता)। तहसील नारायणबगड़ के ग्राम छेकुड़ा (पलसारी) निवासी हरीश लाल ने 12 मई 2022 को पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बताया कि आठ मई 2022 को वह अपने खेत में मकान निर्माण के लिए पत्थर व अन्य सामग्री एकत्र कर रहा था। इसी दौरान उसका बड़ा भाई बनारसी लाल वहां पहुंचा और रोड़ी-बजरी ले जाने लगा। इस बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच विवाद हो गया। बनारसी लाल ने हरीश लाल के सिर पर पत्थर से हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन तत्काल उसे नारायणबगड़ अस्पताल ले गए जहां उसका उपचार किया गया। मामले की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट सिविल जज (जूनियर डिविजन) थराली देवांश राठौर की अदालत में हुई।

## किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाने की प्रक्रिया शुरू

रुद्रप्रयाग (संवाददाता)। विकासखंड जखोली के कोटेश्वर महादेव मंदिर कोठियाड़ा में कृषि विभाग ने विशेष शिविर आयोजित किया। शिविर में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई। कृषि विभाग के अधिकारी हरीश मिश्रा और कुलदीप सिंह ने बताया कि एग्री स्टेक योजना के तहत हर किसान की डिजिटल पहचान तैयार की जा रही है। इसमें जमीन और फसल से जुड़ा पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन रहेगा। इससे योजनाओं का लाभ सीधे किसानों के खाते में मिलेगा और बार-बार कागज जमा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे पीएम किसान, बीमा और सब्सिडी का लाभ आसान होगा। साथ ही किसानों को मौसम और फसल से जुड़ी जानकारी भी मोबाइल पर मिलेगी। इस मौके पर प्रधान पवन राणा और क्षेत्र पंचायत सदस्य शंभू प्रसाद कोठारी ने ग्रामीणों से पंजीकरण कराने की अपील की।

हिन्दी दैनिक जोखिम

## रामनगर के विभिन्न संगठनों ने शहीदों की प्रतिमायें ढहाये जाने की कड़ी भर्त्सना की, उन्होंने उच्च स्तरीय जांच और कार्रवाही की मांग की

रामनगर (संवाददाता) उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में प्रशासन द्वारा काकोरी के शहीदों रामप्रसाद बिस्मिल,अशफाक उल्ला खान एवं रोशन सिंह का अनादर करते हुये उनकी प्रतिमाओं को बुल्डोजर से ढहाने और मलवा को कूड़ा घर में फिंकवा दिये जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुये इंकलाबी मजदूर केंद्र, प्रगतिशील महिला एकता केंद्र और परिवर्तनकामी छात्र संगठन के एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा उपजिलाधिकारी रामनगर के माध्यम से एक ज्ञापन राष्ट्रपति को भेजा गया है। भेजे गए ज्ञापन में उन्होंने कहा कि 23 मार्च के दिन जब पूरा देश महान क्रांतिकारियों भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु का शहादत दिवस मनाने की तैयारी कर रहा था, उसी दिन सुबह करीब 3 बजे उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में काकोरी के शहीदों रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और रोशन सिंह की टाउन हॉल में स्थापित प्रतिमाओं को प्रशासन द्वारा बुल्डोजर से ढहा दिया गया और मलवा को कूड़ा घर में फिंकवा दिया गया। उन्होंने कहा कि ये वो महान क्रांतिकारी थे जिन्होंने 9 अगस्त 1925 के ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन एक्शन के तहत सरकारी खजाना लूटकर ब्रिटिश सत्ता को सीधे चुनौती दी थी। इसके बाद ब्रिटिश सत्ता ने 19 दिसम्बर 1927 को इन्हें फांसी पर चढ़ा दिया था। कहा कि रामप्रसाद बिस्मिल और अशफाकउल्ला खान की दोस्ती को देश की ष्साझी शहादत- साझी विरासतष और हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक बताते हुये उनकी प्रतिमाओं को ढहाने को इस प्रतीक पर हमला और आजाद भारत में इन शहीदों का अपमान करने वाला है। उन्होंने इसकी कड़ी भर्त्सना करते हुये मांग की गई कि घटना की उच्च स्तरीय जांच कराकर इसमें शामिल सभी लोगों पर कार्रवाही की जाये और शहीदों की प्रतिमाओं को पूर्ण आदर के साथ दोबारा स्थापित किया जाये। इस दौरान ज्ञापन देने वालों में इंकलाबी मजदूर केंद्र के महासचिव रोहित रुहेला,भुवन चंद्र, उबैदुल हक, प्रगतिशील महिला एकता केंद्र की तुलसी छिंवाल, परिवर्तनकामी छात्र संगठन के रवि कुमार ,विनोद कुमार आदि शामिल रहे।

## चार साल बेमिसाल कार्यक्रम में रखी सरकार की उपलब्धियां, उमड़ी भीड़

अल्मोड़ा (संवाददाता) धामी सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मल्ला महल में बहुउद्देशीय शिविर एवं 'जन जन की सरकार, चार साल बेमिसाल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के संबोधन का प्रसारण किया गया, जिसमें उन्होंने सरकार की चार वर्षों की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए राज्य के समग्र विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी दी गई और सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही चिकित्सा शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से कुमाऊं की सांस्कृतिक झलक पेश की। मुख्य अतिथि मेयर अजय वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड ने विकास, विश्वास और सुशासन का मजबूत मॉडल प्रस्तुत किया है। उन्होंने समान नागरिक संहिता, सशक्त भू-कानून और नकल विरोधी कानून जैसे फैसलों को राज्य की दिशा तय करने वाला बताया। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाया जाता है और प्रशासन सभी नागरिकों को बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को करीब साढ़े बाइस लाख रुपये के चेक वितरित किए गए,, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होने की उम्मीद जताई गई। सूचना विभाग की ओर से सरकार की योजनाओं पर आधारित पुस्तिकाएं भी वितरित की गईं। कार्यक्रम स्थल पर 'धुरंधर धामी' सेल्फी प्वाइंट लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा, जहां लोगों ने उत्साह के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। अंत में राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की उपस्थिति रही।

## शक्ति पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया

रामनगर (संवाददाता) मोहल्ला लखनपुर पर्वतीय सभा में भारतीय जनता महिला मोर्चा की अध्यक्ष गंगा राणा द्वारा शक्ति पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नारी शक्ति के सम्मान एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है।कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती के सहयोग से महिला मोर्चा की ओर से कन्या पूजन किया गया। इस दौरान बालिकाओं का विधि-विधान से पूजन कर उन्हें भेंट स्वरूप पाठ्य सामग्री एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं वितरित की गईइस अवसर पर क्षेत्र के विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने भागेदारी की।उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और नारी शक्ति के सम्मान को सुदृढ़ करते हैं। इस दौरान कार्यक्रम में महिला मोर्चा अध्यक्ष गंगा राणा, दीप्ति रावत, अल्का खाती, लक्ष्मी रावत, दीपा, हेमा लोहनी सहित कई महिला कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इसके अलावा पूर्व दर्जा मंत्री दिनेश मेहरा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, नगर मंडल भाजपा महामंत्री नवीन करगेती, जोगेंद्र भंडारी, सचिन,भाजपा सोशल मीडिया संयोजक भरत तिवारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष आकाश आर्या, ऋषभ अग्रवाल, प्रयाग डोर्बी आदि मौजूद रहें।

## आपदा से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनके दुख-दर्द को साझा किया

रामनगर (संवाददाता) भाजपा के वरिष्ठ व सांसद प्रतिनिधि इंदर रावत ने विधान सभा क्षेत्र रामनगर में बीते दिनों आई आपदा से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनके दुख-दर्द को साझा किया।ग्राम सेमलखलिया में भाजपा बूथ अध्यक्ष भूपाल सिंह का चक्की का पूरा सेट तेज आंधी में क्षतिग्रस्त हो गया।रिंगोड़ा निवासी प्रकाश चंद्र उपाध्याय के 12 वर्षीय पुत्र की हल्दू के पेड़ के गिरने से मौत हो गई थी। ग्राम बेलगढ़ में बलवीर सिंह नेगी के घर के ऊपर विशाल पेड़ गिरने से उनका पूरा परिवार बाल-बाल बच गया लेकिन उनकी झोपड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।इंदर सिंह रावत ने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ प्रभावित परिवारों से मिलकर उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और बलवीर नेगी को तुरंत झोपड़ी के पुनर्निर्माण करने को कहा गया जिसके लिए उन्होंने आर्थिक सहायता भी प्रदान की। साथ ही रामनगर के प्रभागीय वन अधिकारी से भेंट कर वन विभाग क्षेत्र में हुए नुकसान का शीघ्र आकलन कर प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा दिलाने का आग्रह किया, ताकि पीड़ित परिवारों को जल्द राहत मिल सके।इस दौरान भाजपा नेता शुभम उत्तम, पूर्व प्रधान बब्बू चौधरी,पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा भावना भट्ट आदि मौजूद रहें।

## पुलिस की मौजूदगी में ही दो पक्ष एक दूसरे के आमने-सामने आ गए

हल्द्वानी (संवाददाता) /बनभूलपुरा में पुलिस की मौजूदगी में ही दो पक्ष एक दूसरे के आमने-सामने आ गए। पुलिस के बीच-बचाव करने के बाद भी वो एक दूसरे पर लात-घूंसे चलाते हुए नजर आ रहे हैं। मारपीट की घटना का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह से दोनों पक्ष खुलेआम मारपीट और अराजकता फैला रहे हैं।मामले में पुलिस अब सख्त एक्शन के मोड में नजर आ रही है। हल्द्वानी के एसपी सिटी मनोज कत्याल का कहना है कि यह मामला दो दिन पुराना है। दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर मामूली कहासुनी हो गई। देखते ही देखते दोनों पक्ष मारपीट पर उतर आए।एसपी सिटी मनोज कत्याल ने कहा कि इस मामले में पुलिस ने शुरुआती कार्रवाई की है लेकिन जिस तरह कानून व्यवस्था का मजाक उड़ाया जा रहा है उस पर बनभूलपुरा थाने को कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। एसपी सिटी ने बनभूलपुरा पुलिस को कानून व्यवस्था का सख्ती से पालन करने को कहा है

## सोमांश बने एमओडी देहरादून के किड्स एम्बेसडर

रामनगर (संवाददाता) देहरादून में मीडिया क्रिएटरो के सम्मान के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देहरादून पहुंचे कई मीडिया क्रिएटर जो उत्तराखंड के साथ साथ अपनी कला और हुनर से कई लोगो के आइडियल बन गए है।इन सभी क्रिएटर के बीच पहुंचे और उन्हें सम्मान देने रामनगर के लिटिल चौम्प बॉलीवुड चाइल्ड एक्टर सोमांश सिंह डंगवाल पहुंचे। इस कार्यक्रम मे लगभग 300 से अधिक बड़े व छोटे क्रिएटर पहुंचे, जिसमे से लगभग 25 से 30 मीडिया क्रिएटरो को सम्मानित किया गया।ये सभी क्रिएटर अपनी कला और प्रतिभा से पुरे उत्तराखंड की संस्कृति और यहाँ की सभ्यता को देश व विदेशो मे पहुंचा रहे है।कार्यक्रम मॉल ऑफ देहरादून की टीम द्वारा करवाया गया,जिसमे सोमांश को किड्स एम्बेसडर बनाया गया और उनके द्वारा छोटे किड्स को सम्मानित किया गया। सोमांश इस मौके पर खासा उत्साहित नजर आए।

हिन्दी दैनिक जोखिम

# मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री हनुमान जन्मोत्सव में आगमन का दिया आश्वासन

रामनगर (संवाददाता)। पूज्य आचार्य विजय जी के सानिध्य में श्री हनुमान धाम (रामनगर) के उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने उत्तराखंड के लोकप्रिय एवं यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने आगामी हनुमान जन्मोत्सव (चैत्र पूर्णिमा) के पावन पर्व पर धाम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने हेतु औपचारिक निमंत्रण पत्र भेंट किया, जिसे मुख्यमंत्री जी ने सहर्ष स्वीकार करते हुए अपने आगमन का आश्वासन दिया।भेंट के दौरान श्री हनुमान धाम को उत्तराखंड के एक प्रमुख आध्यात्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। जिसमें 'मानस खंड' योजना के अंतर्गत धाम के पृष्ठ भाग में वन विभाग द्वारा विकसित किए जा रहे इको पार्क की प्रगति से अवगत कराया और इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए धाम को जोड़ने वाली मुख्य सड़क के सुदृढ़ीकरण के कार्य को कराने का आग्रह किया गया। धाम परिसर में पार्किंग, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं अन्य पर्यटन सुविधाओं के विस्तार संबंधी प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री हनुमान धाम द्वारा किए जा रहे आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है।उन्होंने हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर धाम आने के निमंत्रण को स्वीकार करते हुए आयोजन की सफलता हेतु शुभकामनाएं भी दीं।प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रमुख सदस्य पूज्य आचार्य विजय, सतनाम सिंह (संयुक्त महासचिव), प्रेम जैन (कोषाध्यक्ष), पवन अग्रवाल (मीडिया प्रभारी),श्री हनुमान धाम, उत्तराखंड सरकार के सहयोग से एक प्रमुख आध्यात्मिक और आस्था के केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है जो देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को दिव्य एवं सुकूनदायक अनुभव प्रदान कर रहा है।

# 26 फरवरी को 19 वर्षीय छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

हल्द्वानी (संवाददाता)। मुखानी थाना क्षेत्र स्थित अमरावती कॉलोनी से 26 फरवरी को 19 वर्षीय छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने कॉलोनी में सिलाई की दुकान चलाने वाले दर्जी रहमत पर अपहरण का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी, लेकिन शुरुआती दिनों में पुलिस की सुस्ती से परिजनों और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई।

परिजनों के अनुसार, युवती स्थानीय जीजीआईसी में पढ़ाई करती थी और घटना वाले दिन सुबह स्कूल के लिए घर से निकली थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। पिता ने बताया कि उनकी बेटी मोहल्ले में ही दर्जी रहमत के यहां सिलाई सीखने जाती थी। घटना के बाद से रहमत भी लापता है, जिससे संदेह और गहरा गया है।परिवार का आरोप है कि तहरीर में रहमत का नाम स्पष्ट रूप से लिखे जाने के बावजूद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिससे जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। सोमवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों के दबाव के बाद ही पुलिस ने आखिरकार प्राथमिकी दर्ज की।एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश के लिए पुलिस की टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस को जांच में पता चला है कि आरोपी रहमत मूल रूप से पीलीभीत का निवासी है, लेकिन उसका पूरा सत्यापन नहीं हो पाया है। जिस दुकान पर वह काम करता था, वहा अब ब्यूटी पार्लर संचालित हो रहा है और पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।घटना को लेकर क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच और जल्द से जल्द छात्रा की बरामदगी की मांग की है।

# उमेश डोभाल स्मृति समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के धुरंधर सम्मानित

अल्मोड़ा (संवाददाता)। दो दिवसीय 33वां उमेश डोभाल स्मृति सम्मान समारोह जिला पंचायत सभागार में संपन्न हुआ। समारोह में उमेश डोभाल स्मृति ट्रस्ट की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उमेश डोभाल स्मृति सम्मान 2025 कपिलेश भोज को साहित्य क्षेत्र में उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया। राजेंद्र रावत 'राजू' स्मृति जनसरोकार सम्मान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाले किशन सिंह मलड़ा को दिया गया। गिरीश तिवारी 'गिर्दा' स्मृति जनकवि सम्मान रंगकर्मी यमुना राम को जनपक्षीय नाटकों और जनगीतों के लिए प्रदान किया गया। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पुरस्कार विजय रावत और प्रिंट मीडिया पुरस्कार राजू सजवाण को दिया गया। भुवनेश्वरी जोशी प्रतिभा सम्मान बालिका वर्ग में मोनिका पंवार तथा अनिरुद्ध जोशी प्रतिभा सम्मान बालक वर्ग में करन राज को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि उमेश डोभाल की शहादत सच की राह पर चलने की प्रेरणा देती है और उनका जीवन पत्रकारिता में साहस और प्रतिबद्धता का उदाहरण है। ट्रस्ट अध्यक्ष गोविंद पंत राजू, प्रोफेसर शेखर पाठक, राजीव लोचन साह, जुहुर आलम और पीसी तिवारी सहित अन्य अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान दयाशंकर टम्टा, नवीन बिष्ट, डॉ. हयात सिंह रावत, राजेंद्र रावत, चंद्रशेखर द्विवेदी, जगदीश जोशी, अशोक पांडे, कपिल मल्होत्रा, हरीश भंडारी, किशन जोशी, प्रकाश पांडे, कमलेश कनवाल, शिवेंद्र गोस्वामी, जग जीवन सिंह, हिमांशु लटवाल, प्रमोद जोशी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन लोकेश धस्माना और विजयवर्धन उप्रेती ने किया।

# एक 22 वर्षीय छात्र की मौत पर उठ रहे है कई सवाल

हल्द्वानी (संवाददाता)। /मुखानी क्षेत्र मे एक 22 वर्षीय छात्र की मौत पर उठ रहे है कई सवाल, एमबीए की पढ़ाई कर रहे दिनेश माहरा का शव घर के भीतर एक ड्रम में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शुरुआती जांच में इसे आत्महत्या का मामला माना है, हालांकि घटना के पीछे पारिवारिक विवाद की बात भी सामने आ रही है। मृतक के पिता असम राइफल्स में लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर तैनात हैं।पुलिस के अनुसार, गिरिजा विहार फेस-6 निवासी दिनेश माहरा सोमवार रात परिवार के एक सदस्य के साथ किसी बात को लेकर बहस में उलझ गया था। इसके बाद वह खाना खाकर अपने कमरे में चला गया। रात में किसी को कुछ असामान्य नहीं लगा, लेकिन अगले दिन सुबह जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया तो परिजनों को चिंता हुई।मां जब उसे देखने कमरे में पहुंची, तो वहां का दृश्य देखकर वह स्तब्ध रह गईं। कमरे के अंदर सीढ़ी के पास बने रैक पर रखे गेहूं से भरे नीले ड्रम में रस्सी के सहारे दिनेश लटका हुआ था।घटना की जानकारी मिलते ही परिजन तुरंत दिनेश को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।एसओ मुखानी के अनुसार, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हर पहलू को ध्यान में रखते हुए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।जांच के दौरान पुलिस को मृतक के एक हाथ पर कट के निशान भी मिले हैं। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि उसने आत्महत्या से पहले खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की होगी। हालांकि इस संबंध में अभी कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही स्पष्ट स्थिति सामने आ पाएगी।घटनास्थल से पुलिस ने दिनेश का मोबाइल फोन बरामद किया है, जिसे जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। अधिकारियों का मानना है कि मोबाइल से घटना से जुड़ी अहम जानकारी मिल सकती है।परिजनों के मुताबिक, दिनेश पढ़ाई के लिए मोबाइल का अधिक उपयोग करता था। ऐसे में पुलिस उसकी कॉल डिटेल और अन्य डिजिटल गतिविधियों की भी जांच कर रही है, ताकि किसी अन्य कारण की संभावना को भी खारिज किया जा सके।परिवार और आसपास के लोगों से पूछताछपुलिस ने इस मामले में परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों से भी बातचीत शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी में घरेलू विवाद की बात सामने आई है, लेकिन पुलिस अन्य पहलुओं को भी नजरअंदाज नहीं कर रही है।दिनेश अपने परिवार में सबसे छोटा था और पढ़ाई को लेकर गंभीर माना जाता था।

# जसपुर में अनियमितता मिलने पर गैस एजेंसियों को नोटिस

काशीपुर (संवाददाता) एसडीएम ने बुधवार को अनियमितताएं मिलने पर भारत और इंडेन गैस एजेंसियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही उपभोक्ताओं से ऑनलाइन गैस बुकिंग करने की अपील की है। बुधवार को डीएम के निर्देश पर एसडीएम राहुल शाह, तहसीलदार दलीप सिंह और पूर्ति निरीक्षक ने भारत और इंडेन गैस एजेंसियों के गैस गोदामों का आकस्मिक निरीक्षण किया। टीम को गोदाम परिसर में ही गैस सिलेंडरों का वितरण और रिफिलिंग कार्य होते मिला, जो निर्धारित नियमों और डीएम के आदेशों के विपरीत था। इस पर एसडीएम ने एजेंसी कर्मियों को फटकार लगाई और दोनों गैस एजेंसियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि गैस सिलेंडरों की आपूर्ति केवल होम डिलीवरी के माध्यम से ही की जाए। साथ ही गैस वितरण का दैनिक रोस्टर कार्यालय में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित कर उपभोक्ताओं के साथ साझा किया जाए। एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि निरीक्षण में दोनों एजेंसियों के पास गैस की पर्याप्त उपलब्धता मिली है। उपभोक्ताओं की सुविधा और पारदर्शिता सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। नियमों के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि गैस सिलेंडर की बुकिंग ऑनलाइन या टोल-फ्री नंबर के माध्यम से ही करें। बुकिंग के बाद निर्धारित समयावधि में गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी की जाएगी। गैस गोदाम या एजेंसी कार्यालय पर भीड़ एकत्रित न करें।

# शक्ति पूजन कार्यक्रम में नारी शक्ति का सम्मान, महिला सशक्तिकरण पर जोर

अल्मोड़ा (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा आयोजित शक्ति पूजन कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में नारी शक्ति के सम्मान और समाज व राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को रेखांकित किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष किरन पंत ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का प्रतीक माना गया है और आज महिलाएं हर क्षेत्र में सशक्त भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने महिलाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। नगर अध्यक्ष कमला तिवारी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण अब धरातल पर दिखाई देने वाली सच्चाई बन चुका है और सरकार के प्रयासों का सकारात्मक असर दिख रहा है। भाजपा नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट ने कहा कि सरकार के चार वर्षों में विकास और जनकल्याण के नए मानक स्थापित हुए हैं तथा महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और अवसर मिल रहे हैं। कार्यक्रम में शक्ति पूजन के माध्यम से नारी शक्ति का सम्मान किया गया और महिलाओं को जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प दिलाया गया।

हिन्दी दैनिक जोखिम

## सुंदर पूनम की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा; प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी फिल्म

फिल्म श्सुंदर पूनम के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म श्सुंदर पूनम्म अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी।

श्सुंदर पूनम्म के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है।फिल्म श्सुंदर पूनम्म में सान्या मल्होत्रा के अलावा आदित्य रावल और विक्रम मल्होत्रा भी नजर आएंगे। फिल्म को पुलकित ने निर्देशित किया है। यह प्राइम वीडियो पर जल्द ही रिलीज होगी।

## मल्लिका शेरावत की धमाकेदार वापसी, करण जौहर के शो द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2 में एंट्री

द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2 अब और भी ग्लैमरस होने वाला है। खबर है कि इस बार शो में बॉलीवुड की बोल्ड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत भी अपनी चालें चलती नजर आएंगी। जैसलमेर के रेतीले धोरों के बीच शुरू हुई इस शो की शूटिंग और मल्लिका की एंट्री ने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। मल्लिका पहले भी रियलिटी शोज में धमाल मचा चुकी हैं और अब एक बार फिर वो दर्शकों का दिल जीतने आ रही हैं।द ट्रेटर्स इंडिया 2 की शूटिंग जैसलमेर में शुरू हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मल्लिका शो से जुड़ गई हैं और शूटिंग का हिस्सा बन चुकी हैं। पिछले महीने से मीडिया में मल्लिका के शो में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब साफ हो गया है कि वो इस धोखे और सस्पेंस से भरे गेम का हिस्सा होंगी। पिछले दिनों खबर आई थी कि शो के होस्ट करण जौहर शूटिंग के लिए जैसलमेर पहुंच चुके हैं।

लंबे समय से विदेश में रह रहीं मल्लिका एक बार फिर भारतीय स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार हैं। पिछली बार उन्हें साल 2024 में आई फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था। मल्लिका,

जिन्होंने फिल्म मर्डर में अपने बोल्ड अवतार से रातों-रात शोहरत हासिल की थी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक बड़ा नाम हैं। वो मशहूर पॉप आइकन ब्रूनो मार्स के साथ म्यूजिक वीडियो वॉट अ मैन में भी नजर आ चुकी हैं।

मल्लिका साल 2013 में अपने रियलिटी शो द बैचलरेट इंडिया: मेरे खयालों की मल्लिका में नजर आई थीं, जहां उन्होंने अपना जीवनसाथी तलाशने की कोशिश की थी। वो नच बलिये और बिग बॉस जैसे शोज में भी बतौर मेहमान अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं।

## अजय देवगन भूतों की दुनिया से कराएंगे रूबरू, अगली फिल्म पर आया ये अपडेट

अजय देवगन ने एक बार फिर हॉरर जॉनर की तरफ वापसी करने की योजना बनाई है। एक ओर, जहां उनकी आगामी फिल्मों दृश्यम 3 और गोलमाल 5 का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी दौरान उनकी नई फिल्मों ने फैंस को उत्साहित कर दिया है, क्योंकि अभिनेता फिर से भूतों की दुनिया में लौटेंगे। यह परियोजना इसलिए बेहद खास होगी क्योंकि फिल्म भूत (2003) और काल (2005) के बाद, अजय को दोबारा हॉरर फिल्म में देखा जाएगा।

के मुताबिक, अभिनेता ने हॉरर फिल्म के लिए सरदारजी फ्रैंचाइजी के निर्देशक रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है। कुमार मंगत द्वारा निर्मित इसे एक हाई कॉन्सेप्ट के रूप में तैयार किया जा रहा है। परियोजना से जुड़े सूत्र ने कहा, कहानी में माहौल बनाने पर जोर दिया गया है, जो इसे पारंपरिक हॉरर फिल्मों से अलग करता है।

फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर लंदन में होगी और निर्माता वर्तमान में प्री-प्रोडक्शन के चरणों में लगे हुए हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि फिल्म के लिए कास्टिंग की तैयारी जोरों पर है। अजय और फिल्म निर्माता दमदार स्क्रीन प्रेजेंस को और निखारने के लिए कलाकारों की एक बेहतरीन टीम की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, सहायक कलाकारों को लेकर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। बिना शीर्षक वाली इस फिल्म की शूटिंग जुलाई, 2026 से शुरू होगी और यह आने वाले साल में सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म परियोजनाओं में से एक बनने जा रही है।

# धुरंधर 2 के आगे उस्ताद भगत सिंह का हुआ बंटाधार, चार दिनों में बजट भी नहीं वसूल पाई फिल्म

**उस्ताद भगत सिंह ने सिनेमाघरों में 19 मार्च को उगादी के मौके पर दस्तक दी थी. इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म का क्लैश रणवीर सिंह की धुरंधर 2 से हुआ. रिलीज के पहले दिन तो पवन कल्याण की स्टार पावर के दम पर इस फिल्म ने धमाकेदार ओपनिंग की लेकिन दूसरे ही दिन ये पटरी से उतर गई और**

**धुरंधर 2 के आगे ये चारो खाने चित्त हो गई. यहां तक कि ओपनिंग वीकेंड में भी ये कमाल नहीं कर पाई, जानते हैं उस्ताद भगत सिंह ने रिलीज के चौथे दिन यानी संडे को कितना कलेक्शन किया है?उस्ताद भगत सिंह पवन कल्याण की मच अवेटेड फिल्म थी. धुरंधर 2 से क्लैश के बवाजूद इसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत तो अच्छी की, लेकिन अगले दिन ही बाजी पलट गई और उस्ताद भगत सिंह सिंगल डिजिट में सिमटती नजर आई. शुक्रवार को बड़ी गिरावट के बाद, शनिवार को इसमें बड़ी उछाल की उम्मीद थी, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इसमें कोई खास बढ़त देखने को नहीं मिली और इसका कलेक्शन 10 करोड़ के आंकड़े से नीचे ही रहा.वहीं धुरंधर 2 ने रिलीज के चार दिन में बॉक्स ऑफिस लूट लिया और रणवीर सिंह की फिल्म का कलेक्शन 450 करोड़ के पार पहुंच गया है. इन सबके बीच पवन कल्याण की फिल्म की कमाई की बात करें तो उस्ताद भगत सिंह ने सैकनिल्क के मुताबिक 34.75 करोड़ से खाता खोला था. इसके बाद दूसरे दिन इसने 9 करोड़ और तीसरे दिन 9.05 करोड़ कमाए. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के चौथे दिन उस्ताद भगत सिंह ने महज 8 करोड़ का कलेक्शन किया. इसी के साथ तेलुगु भाषी उस्ताद भगत सिंह की चार दिनों की भारत में कुल नेट कमाई 60.80 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन लगभग 71.66 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है.खबरों के मुताबिक, उस्ताद भगत सिंह 150 करोड़ के बजट में बनी है. इस लागत के मुकाबले, इसने अब तक 60.80 करोड़ की नेट कमाई की है, यानी बजट का सिर्फ 59.46 प्रतिशत ही वसूल कर पाई. यानी 4 दिन का लंबा ओपनिंग वीकेंड भी फिल्म को खास फायदा नहीं पहुंचा पाया है. हफ्ते के बाकी दिनों में, उस्ताद भगत सिंह को ठीक-ठाक कमाई करने में काफी मशक्कत करनी पड़ेगी, और उम्मीद है कि तेलुगू मार्केट में धुरंधर 2 इसकी कमाई को पीछे छोड़ देगी. कुल मिलाकर, फिल्म के लिए 100 करोड़ नेट का आंकड़ा छूना एक बड़ी चुनौती लग रही है, जो पवन कल्याण के लिए एक बड़ी असफलता का संकेत है. तो, ओजी के खराब परफॉर्म करने के बाद, टॉलीवुड के इस सुपरस्टार के लिए यह एक और झटका होगा.यह फिल्म थेरी का रीमेक है, जिसमें ओरिजनली विजय ने मुख्य भूमिका निभाई थी और जिसका निर्देशन एटली ने किया था. हरीश शंकर द्वारा निर्देशित उस्ताद भगत सिंह में पवन कल्याण के अलावा श्रीलीला, राशि खन्ना और आर. पार्थिबन ने अहम रोल प्ले किया है.**

हिन्दी दैनिक जोखिम

# कैबिनेट के फैसलों में विकास, रोजगार और राहत का संतुलन

देहरादून (संवाददाता)। देहरादून स्थित सचिवालय में आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक शुरू हुई। बैठक की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल में शामिल नए मंत्रियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और राज्य के विकास कार्यों में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने वर्तमान सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्राप्त शुभकामना संदेश के संबंध में मंत्रिमंडल को अवगत कराया। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री के संदेश का विधिवत वाचन किया। प्रधानमंत्री के शुभकामना संदेश पर राज्य मंत्रिमंडल ने आभार व्यक्त करते हुए इसे राज्य सरकार के लिए प्रेरणादायक बताया। मंत्रिमंडल के सदस्यों ने कहा कि यह संदेश राज्य के विकास, सुशासन और जनकल्याण के प्रयासों को और अधिक गति देने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बैठक में राज्यहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई ।कैबिनेट द्वारा लिये गये अहम निर्णय1. लोक निर्माण विभाग के एडीबी (एशियाई विकास बैंक) समर्थित पुल सुधार परियोजना उत्तराखण्ड के तहत ली गई कंसलटेंसी के 01 करोड़ से ऊपर की धनराशि के टेण्डर को मंत्रीमण्डल द्वारा दिया गया अनुमोदन।2. न्याय विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य में सेवारत न्यायिक अधिकारियों को वाहन क्रय करने हेतु नॉमिनल इंटरेस्ट रेट पर 10 लाख रूपये तक सॉफ्ट लोन की सुविधा अनुमान्य किये जाने का कैबिनेट द्वारा किया गया अनुमोदन। इसके तहत इंटरेस्ट रेट इलैक्ट्रिक वाहनों के लिए 4 प्रतिशत तथा अन्य वाहनों के लिए 5 प्रतिशत है।3. वन विभाग के अन्तर्गत मुख्य प्रशासनिक अधिकारी पद हेतु न्यूनतम सेवा 25 वर्ष का प्राविधान था, जिसे कार्मिक विभाग की व्यवस्था के अनुरूप 25 वर्ष से घटाकर 22 वर्ष वर्ष किये जाने का मंत्रीमण्डल द्वारा दिया गया (वित्त, न्याय और विधायिकी) से परामर्श लेकर नियमावली लागू करने की मंत्रिमण्डल द्वारा दी गई अनुमति।7. गृह विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड वर्दीधारी उप निरीक्षक पदों (पुलिस, पीएससी, आईआईआरबी, प्लाटून कमान्डर, अग्निशमन अधिकारी, वन दरोगा) की सीधी भर्ती के लिए वर्ष

अनुमोदन।4. ऊर्जा विभाग की प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अन्तर्गत भारत सरकार के साथ ही राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी दी जा रही थी, जिसे बाद में समाप्त कर दिया गया था। इसके तहत 31 मार्च, 2025 तक जिन लोगों के संयत्र लग चुके थे, उनको इस सब्सिडी का लाभ दिये जाने का कैबिनेट प्रदान की अनुमति।5. उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड निजी विश्वविद्यालय अधिनियम 2023 की धारा 36 के प्रावधानानुसार स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय जनपद देहरादून से संबंधित या उससे अनुषांगित विषयों का उपबन्ध एवं नियमन करने के लिए परिनियम के प्रख्यापन की कैबिनेट ने दी मंजूरी।6. गृह विभाग के अन्तर्गत वर्ष 2025 में उत्तराखण्ड लोक और निजी सम्पत्ति वसूली अधिनियम बनाया गया था, जिसमें नियमावली बनाने हेतु परामर्शी विभागों होमगार्ड्स समूह 'क' एवं 'ख' सेवा संशोधन नियमावली के प्रख्यापन को मंत्रीमण्डल की मिली अनुमति। इसके तहत वर्ष 2024 में होम गार्ड्स विभाग के अन्तर्गत केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान हेतु कमाडेंट का पद सृजित किया गया था, जिसकी नियमावली न बनने के कारण प्रमोशन बाधित हो रहे थे।8. गृह विभाग के अन्तर्गत भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद डिजिटाइजेशन की व्यवस्था और कम्प्यूटर आधारित अंवेषण की व्यवस्था की गइ थी, इसके तहत पुलिस कार्मिकों को कई तरह की ट्रेनिंग दिये जाने हेतु हेतु भारत सरकार की सेवा प्रदाता संस्था 'नेशनल इंस्ट्यूट फॉर इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी ' (आईटी विभाग के अर्न्तगत) विशेषज्ञों की नियुक्ति का मंत्रीमण्डल द्वारा किया गया अनुमोदन।9. कार्मिक विभाग के अन्तर्गत वर्दीधारी सिपाही पदों और 2023 में एकीकृत नियमावली बनाई गई थी, जिसके तहत कुछ पदों के लिए आयु सीमा और हाइट बढ़ी-घटी थी। इस संबंध में आगामी तीन वर्ष तक पूर्व की नियमावली की व्यवस्था बनाये रखने का कैबिनेट द्वारा दिया गया अनुमोदन।10. माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत मा. न्यायालय द्वारा लिये गये निर्णयानुसार एडेड स्कूल बनने से पूर्व शिक्षकों की सेवा को प्रोन्नति के लिए मान्य करने को लेकर मंत्रीमण्डल में विचारार्थ प्रस्ताव में मा. मंत्रीमण्डल द्वारा उप समिति बनने का अनुमोदन दिया गया।11. खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अन्तर्गत रवि विपणन सत्र 2026-27 में विकेन्द्रीयकरण के अन्तर्गत मूल्य समर्थन हेतु गेहूँ खरीद के प्रस्ताव को भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रूपये प्रति कुन्तल का लाभ दिये जाने हेतु मा. मंत्रीमण्डल द्वारा अनुमोदित किया गया।

## संक्षिप्त समाचार...

### शिवालिक कॉलेज में स्टार्टअप और करियर रणनीति पर हुआ अतिथि व्याख्यान

देहरादून (संवाददाता)। शिवालिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के मैनेजमेंट विभाग की ओर से 'करियर एवं स्टार्टअप रणनीतियां' विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. तरुण भाटिया रहे, जिन्होंने छात्रों को बदलते वैश्विक परिवेश में सही करियर चयन और नवाचार के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। डॉ. भाटिया ने कहा कि एक सफल स्टार्टअप के लिए केवल विचार पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके लिए सटीक योजना, बाजार की समझ और निरंतर मेहनत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं को सीमित संसाधनों में भी सफलता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच विकसित करने की सलाह दी। सत्र के दौरान छात्रों ने अपने भविष्य और उद्यमशीलता से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

### एनएसएस शिविर में भारत की सभ्यता और इतिहास पर चर्चा

देहरादून (संवाददाता)। एसजीआरआर महाविद्यालय के एनएसएस इकाई की ओर से आयोजित सात दिवसीय शिविर में भारत की सभ्यता और इतिहास पर चर्चा की गई। उत्तराखंड के इतिहासकार प्रोफेसर एमएस गोसाई ने भारतीय इतिहास ज्ञान परंपरा एवं भारतीय प्राचीन सभ्यताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।बुधवार को शिविर के पांचवे दिन लक्ष्य गीत और वंदन व योगाभ्यास के साथ आरंभ हुआ। इसके बाद बौद्धिक सत्र की शुरुआत में कार्यक्रम अधिकारी डॉ महेश कुमार ने सभी स्वयंसेवियों को कम्युनिकेशन स्किल तथा प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

### ग्राफिक एरा बना भारत का पहला जेनएआई-पावर्ड कैंपस

देहरादून (संवाददाता)। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अमेजन वेब सर्विसेज के सहयोग से यह संस्थान भारत की पहली श्जेनएआई-पावर्ड कैंपसश यूनिवर्सिटी बन गई है। इस साझेदारी के तहत 5000 से अधिक छात्र-छात्राओं को क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग और जनरेटिव एआई जैसी उन्नत तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय के सिल्वर जुबली कन्वेंशन सेंटर में श्एआई एवरीव्हायर फॉर एवरीवनश विषय पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में एडब्लूएस (भारत एवं दक्षिण एशिया) के डेटा और एआई हेड बिस्वजीत दास ने छात्रों को नोवा-2 और डिजीयात्रा जैसे आधुनिक टूल्स का लाइव डेमो दिया।

# निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग

देहरादून (संवाददाता)। यूकेडी ने निजी स्कूलों की मनमानी और अनावश्यक फीस वृद्धि, किताबों का बोझ जैसे मुद्दों के साथ बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। यूकेडी कार्यकर्ता डीएम कार्यालय के दोनों गेटों से आगे बढ़े। जिस पर यूकेडी कार्यकर्ताओं की सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्युष कुमार के साथ तीखी नोंक झोंक भी हुई। यूकेडी के महानगर अध्यक्ष प्रवीण चंद रमोला के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं का कहना था कि शीघ्र ही नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो रहा है। प्रत्येक वर्ष यह देखा जाता है कि दून के अनेक निजी विद्यालय अभिभावकों पर मनमानी फीस वृद्धि का दबाव बनाते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के लिए महंगी एवं अनावश्यक पुस्तकों, कॉपियों, यूनिफॉर्म तथा अन्य शैक्षणिक सामग्री की लंबी सूची जारी कर दी जाती है। कई विद्यालय अभिभावकों को किसी एक निर्धारित दुकान या विक्रेता से ही किताबें, कॉपियां एवं यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य करते हैं, जिससे इन वस्तुओं की कीमत सामान्य बाजार की तुलना में काफी अधिक हो जाती है। केंद्रीय महामंत्री किरन रावत ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा एडमिशन फीस, डेवलपमेंट फीस, एक्टिविटी फीस, स्मार्ट क्लास फीस आदि के नाम पर विभिन्न प्रकार के अतिरिक्त शुल्क भी लिए जा रहे हैं, जिनकी पारदर्शिता भी स्पष्ट नहीं होती। महानगर संगठन मंत्री कपिल कुमार ने सभी निजी विद्यालयों द्वारा की जा रही मनमानी फीस वृद्धि पर तत्काल रोक की मांग की। यूकेडी ने विभिन्न मांगों से जुड़ा मांग पत्र भी सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। प्रदर्शन में केंद्रीय महामंत्री रघुवीर सिंह राणा, महानगर उपाध्यक्ष अनिल भंडारी, महानगर महामंत्री राजीव नौटियाल, निश्चित मनराल, महानगर संगठन मंत्री अनूप बिष्ट, भोला चमोली, गजेंद्र नेगी, प्रेम पडियार, गिरीश कोठारी, वार्ड अध्यक्ष बंजारावाला संतोष नौटियाल, रीता देवी, सुमन नेगी, शुभम सेमवाल, राजेश्वरी रावत, किशोर बहुगुणा मौजूद रहेाये है मांग पत्र की मांगे-सभी स्कूल एससीईआरटी अथवा मानक पाठ्यपुस्तकों को लागू करें। अभिभावकों को महंगी निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए बाध्य न किया जाए।-अभिभावकों को किसी एक निर्धारित दुकान से किताबें, कॉपियां, यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य न किया जाए।-एडमिशन फीस, डेवलपमेंट फीस, एक्टिविटी फीस, स्मार्ट क्लास फीस की जांच कर उन पर प्रशासनिक नियंत्रण किया जाए।-स्कूल बसों एवं अन्य परिवहन सेवाओं की फीस निर्धारित की जाए।-यदि किसी विद्यार्थी की फीस किसी कारणवश बकाया रह जाती है, तो उसे अगली कक्षा में प्रवेश देने से न रोका जाए, अभिभावकों को किस्तों में फीस जमा करने की सुविधा दी जाए।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com